

लेसर फ्लेमगि

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में बड़ी संख्या में लेसर फ्लेमगि (छोटे राजहंस) गुजरात के पोरबंदर स्थिति छाया तालाब में पहुँचे हैं। यहाँ से वे भारत-पाकसिमान सीमा के पास स्थिति ग्रेटर रण ऑफ कच्छ की ओर प्रजनन के लिये प्रवास करेंगे।

लेसर फ्लेमगि (????????? ????):

- यह फ्लेमगि की सबसे छोटी प्रजाति है, जो उप-सहारा अफ्रीका, भारत, पाकसिमान और अरब खाड़ी के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।
- भारत में यह मुख्य रूप से लवणीय जलाशयों और तटीय क्षेत्रों में नवास करती है।
- IUCN द्वारा इसे नकिट संकटग्रस्त (Near Threatened) श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। यह CITES के परशिष्ट-II में सूचीबद्ध है। साथ ही, यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (WPA), 1972 की अनुसूची-IV के अंतर्गत संरक्षित है।

फ्लेमगि:

- परचिय: फ्लेमगि लंबे, जलीय पक्षी होते हैं, जो अपनी लंबी, एस-आकार की गर्दन और पतली, स्तंभनुमा टाँगों (stick-like legs) के लिये जाने जाते हैं।
 - ये अत्यंत सामाजिक होते हैं और प्रायः बड़े झुंडों में देखे जाते हैं, जो उथले तथा सुपोषण के जलाशयों जैसे- लवणीय लैगून, साल्टपैन और कषारीय झीलों में नवास करते हैं।
- प्रजातियाँ: विश्वभर के उष्णकटबंधीय और उपोष्णकटबंधीय क्षेत्रों में फ्लेमगि की 6 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से भारत में केवल 2 प्रजातियाँ (ग्रेटर फ्लेमगि और लेसर फ्लेमगि) पाई जाती हैं।
 - अन्य प्रजातियाँ:
 - चिली फ्लेमगि (फीनिकोप्टेरस चिलेंसिस)
 - अमेरिकन/कैरेबियन फ्लेमगि (फीनिकोप्टेरस रूबर)
 - एंडियन फ्लेमगि (फीनिकूपरस एंडनिस)
 - जेम्स या पुना फ्लेमगि (फीनिकूपरस जेम्सी)
- आहार एवं रंग-रूप: फ्लेमगि शैवाल, शंख-घोंघे और क्रस्टेशियन का आहार करते हैं। उनके पंखों का रंग, जो सफेद से लेकर गुलाबी और नारंगी तक हो सकता है, उनके आहार में उपस्थिति कैरोटीनॉयड पगिमेंट द्वारा निर्धारित होता है।
- सामान्य प्रवास मार्ग:



और पदें: [फ्लेमिंगो](#), [हमिलयन आइबेक्स](#) और [बलू शीप](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/lesser-flamingos>